जैन समाजात प्रचंड खपाचे व लोकप्रिय मासिक

जैन जागृति

(Since 1969) www.jainjagruti.in

६२ ऋतुराज सोसायटी, पुणे-सातारा रोड, भापकर पेट्रोल पंपा समोर, सिटी प्राईडच्या पुढची लेन, पुणे ४११०३७.
मो. : ८२६२०५६४८०, ☎ : ०२० - २४२१५५८३
मोबाईल : संजय ९८२२०८६९९७, सुनंदा ९४२३५६२९९१
संपादक व प्रकाशक : संजय के. चोरडिया
: सौ. सुनंदा एस. चोरडिया

❖ संस्थापक ❖
स्व. श्री. कांतीलालजी चोरडिया

❖ वर्ष ५२ वे ❖ अंक ११ वा ❖ जुलै २०२१ ❖ वीर संवत २५४७ ❖ विक्रम संवत २०७७

या अंकात	पान नं.
• अनूप मंडल - देश विरोधी शक्तियों के विरुध्द जैन समाज का राष्ट्रव्यापी आंदोलन	१५
• श्रमण संस्कृति	१७
• चक्रवर्ती भगवान भरत ज्ञानस्थली जैन तीर्थ - दिल्ली	१९
• टाईम्स ग्रुप की अध्यक्षा इंदू जैन	२०
• सम्यग्ज्ञान	२२
• चातुर्मासिक पर्व : प्रमुखता, पवित्रता एवं प्रगतिशील का द्योतक	२३
• मानव तुम श्रेष्ठ हो लेकीन	२६
• परिग्रह	२७
• माँ-बाप की सेवा	३१
• कव्हर तपशील	३२
• अंतिम महागाथा : २९ - वीतराग जिनेश्वर	३५
• सुखी जीवन की चाबियाँ - पंद्रह सद्गुण उपासना - लोकप्रियता	४१
• ऐसी हुई जब गुरु कृपा : खिडकी खोल प्रज्ञा री	५५
• अपमत्तस नत्थि भयं	५७
• कोठारी चॅरिटेबल ट्रस्ट, जेजूरी	५९
• स्थानकवासी परंपरा में चित्र व चित्रकला	६०
• आई नावाचं सुवर्णपान	६३
• अहोभावातील सुंदरता	६५
• हास्य जागृति	६६
• मॉडेल टेनन्सी ॲक्ट	६७
• प्रीत, एक परमात्मा के साथ	६८
• स्वार्थ की सीमा	६९
• सच्ची पहचान	६९
• सुर्यदत्ता कला आरोग्यम् योगा थॉन २०२१	७०
• भारतीय जैन संघटना	७१
• जैन सोशल ग्रुप युथ, पुणे सेंट्रल	७२
• ए.एच. पोखरणा ज्वेलर्स - अहमदनगर	७३
• स्व. श्री. नौपतलालजी सांकला - स्मृतिदिन	७५
• नगरसेवक श्री. प्रवीणजी चोरबेले लसीकरण केंद्र, पुणे	७६

- भगवान महावीर सेवा धाम – कोल्हापूर ७६
- जितो, पुणे ७७
- कॅट – पुणे पर्यावरण दिन ७८
- श्री गुरु गौतममुनि मेडिकल सेंटर, पुणे ७९
- रसिकलाल धारिवाल फाउंडेशन ७९
- प्रा. डॉ. संजय चोरडिया, पुणे – सन्मान ८०
- श्री शांतीनाथ महाराज जैन टेम्पल ट्रस्ट – पुणे ८१
- मॅडम DP छान आहे. ८१
- आचार्य डॉ. शिवमुनिजी म.सा. – सुरत ८३
- श्री. अशोकजी चोरडिया, पुणे ८४
- घर आया मेहमान भगवान के समान ८५
- स्वस्थ होने का मतलब ८८
- श्री विनीतदर्शनाजी म.सा. – तप ८९
- विविध धार्मिक, सामाजिक बातम्या

जैन जागृति मासिकाचे वर्गणी दर • एका वर्षात तीन मोठ्या अंकासहित

पंचवार्षिक	रु. २२००	त्रिवार्षिक	रु. १३५०	वार्षिक	रु. ५००

या अंकाची किंमत ५० रुपये.

• www.jainjagruti.in
• www.facebook.com/jainjagrutimagazine

सुसंस्कार व सदाचाराचा पुरस्कार करणाऱ्या 'जैन जागृति' मासिकाचे वर्गणीदार व्हा !

- वीतराग वाणी, आचार्य, साधू, साध्वी यांचे लेख, धार्मिक, सामाजिक व शैक्षणिक लेख, धार्मिक कथा, बोधकथा, ऐतिहासिक पुरुषांचे जीवन चरित्र, तीर्थक्षेत्र परिचय, समाज प्रबोधन लेखमाला, दीपावली पूजन विधी व मुहूर्त, आरोग्य व गृहोपयोगी लेख, विविध बातम्या इ. साहित्य जैन जागृतित प्रकाशित केले जाते.
- आपण स्वत: जैन जागृतिचे ग्राहक बना व आपले नातेवाईक, मित्र, व्यापारी बंधू इत्यादींना वर्गणीदार नसतील तर त्यांना वर्गणीदार होण्यास सांगा. • 'जैन जागृति' मासिकाची वर्गणी भरून इतरांना भेट पाठवा.

जैन जागृति वर्गणी व जाहिरात – रोख/मनिऑर्डर/ड्राफ्ट/AT PAR चेक/ पुणे चेकने / RTGS / SBI Online / Jain Jagruti Website इत्यादी द्वारा पाठवावी.

BANK ACCOUNT DETAILS - A/C Name : JAIN JAGRUTI
Bank : STATE BANK OF INDIA **Branch : Market Yard, Pune 37.**
Current A/c No. : 10521020146 **IFS Code : SBIN0006117**

'जैन जागृति' हे मासिक मालक, मुद्रक व प्रकाशक एस. के. चोरडिया यांनी प्रकाश ऑफसेट, शॉप नं. १२-१३, पर्वती टॉवर्स, पुणे – ४११००९ येथे छापून ६२ बी, ऋतुराज सोसायटी, पुणे-सातारा रोड, पुणे – ४११ ०३७ येथे प्रसिध्द केले. संपादक – एस. के. चोरडिया

"Jain Jagruti" monthly magazine is owned, printed & published by S. K. Chordia, Printed at Prakash Offset, Shop No. 12-13, Parvati Towers, Pune 411009. Published at 62-B, Ruturaj Society, Pune - Satara Road, Pune - 411 037. Editor - S. K. Chordia

टिप : या अंकात प्रसिध्द झालेल्या मताशी संपादक सहमत असतीलच असे नाही. जैन जागृति संबंधित कोणत्याही कायदेशीर कारवाईसाठी पुणे न्यायलय क्षेत्र ग्राह्य धरले जाईल.

टिप : जैन जागृति अंकात प्रकाशित लेख, बातम्या, जाहिरातीचे सर्वाधिकार सुरक्षीत आहेत.

अनूप मंडल – देश विरोधी शक्तियों के विरुध्द जैन समाज का राष्ट्रव्यापी आंदोलन

२३ जून २०२१ को देशभर में ५०० स्थानों पर ज्ञापन प्रस्तुतीकरण किया गया । धर्मविरोधी भावनाओं का प्रचार-प्रसार एवम देशद्रोही गतिविधियों में संलिप्त असामाजिक एवम अराजकतावादी संगठन अनूप मंडल को गैर कानूनी संघटन एवम भारत भर में प्रतिबंधित संगठन घोषित करने संबंधी राष्ट्रव्यापी आंदोलन का आयोजन देशभर के जैन समाज के सभी संप्रदायों का सर्वोच्च शिखर संगठण 'राष्ट्रीय जैन संगठन (RJS) के द्वारा किया गया ।

इस राष्ट्रव्यापी आंदोलन के तहत २३ जून को देशभर के गाव, शहर, जीलों में स्थानीय प्रशासन के पास देश के प्रधानमंत्री के नामसे ज्ञापन दिया गया ।

ज्ञापन के प्रारुप एवम् अधिक जानकारी के लिए http://bit.ly/RJS23June पर क्लिक करें । ●

'अनूप मंडल पर कठोर कारवाई एवम् प्रतिबंध की माँग' के निवेदन पुरे भारत से विविध शिखर संस्था, आचार्य भगवंत, सामाजिक संस्था द्वारा प्रधानमंत्री एवम् गृहखाता को भेजे गये है । समाज बांधव को इस संदर्भ में जानकारी के लिए जैन कॉन्फ्रेंस का निवेदन प्रसिध्द किया है ।

श्री ऑल इंडिया श्वे. स्था. जैन कॉन्फ्रेंस
अनूप मंडल पर कठोर कारवाई एवम् प्रतिबंध की माँग

सेवा में,
मा. नरेन्द्र मोदीजी
सम्माननीय प्रधानमंत्रीजी
भारत सरकार, नई दिल्ली

विषय : अनूप मंडल (राजस्थान) संघठन के सदस्यों के द्वारा जैन धर्म के विरुध्द किए जा रहे दुष्प्रचार व मंडल की असामाजिक गतिविधियों की सीबीआई द्वारा जाँच करवाकर कठोर कार्यवाही एवं अनूप मंडल पर प्रतिबंध लगाने की माँग...

महोदय,

आपके नेतृत्व में भारत वर्ष की सभी गतिविधियाँ सुचारु रुप एवं भाईचारे से चल रही है ।

जैन समाज एक शांतिप्रिय एवं अहिंसा प्रेमी समाज है । जैन धर्म का मूल मंत्र है ''जियो और जीने दो'' भारत की प्रगति में जैन समाज का उल्लेखनिय योगदान है । जब-जब भी देश को आवश्यकता हुई है, जैन धर्म के अनुयायियों ने तन-मन-धन से देश की सेवा की है । वर्तमान में देश की आर्थिक प्रगति में भी जैन समाज का बहुमूल्य योगदान है । मुख्यत: जैन धर्म के अनुयायी व्यवसाय, व्यापार के क्षेत्र में होने से संगठित एवं असंगठित क्षेत्र में लाखों लोगों को रोजगार भी प्रदान करते हैं । राष्ट्रपिता महात्मा गांधीजी भी जैन दर्शन से प्रभावित थे एवं अहिंसक सत्याग्रह की प्रेरणा उन्हें जैन धर्म के संपर्क में आने से ही मिली थी ।

अनूप मंडल एक जैन विरोधी संघठन है जो राजस्थान, गुजरात, महाराष्ट्र और मध्य प्रदेश के ग्रामीण इलाकों में जैन धर्म, समाज और पूज्य साधू-साध्वियोंजी के खिलाफ लोगों के दिमाग में जहर घोलने का कार्य कर रहा है ।

कई राज्यों में इस संघठन के सदस्य असामाजिक गतिविधियों में जुटे हुए हैं । यह संघठन गाँव-गाँव जाकर दुष्प्रचार कर रहा है कि विश्व व भारत में आने वाली हर मानव निर्मित व प्राकृतिक आपदा का एकमात्र कारण जैन समाज के लोग हैं ।

देशभर में जो भी संकट आते हैं, वे सभी जैसे कि, जैनों के कारण ही भूकंप आते हैं, जैनों के कारण ही बाढ़ आती हैं और जैनों के कारण ही आतंकवादी हमले

होते हैं, ग्लोबल वार्मिंग के पीछे भी जैन धर्मावलंबियों का हाथ है । यद्यपि इसकी कल्पना करना भी अटपटी बात है पर अनूप मंडल लगातार ऐसा प्रचार करके गाँव-गाँव में जैनों के विरुध्द विद्रोह व हिंसा उकसाने का कार्य कर रहा है ।

अनूप मंडल के कार्यकर्ता भोले-भाले ग्रामीणों को भय, लालच व प्रलोभन देकर अपने संघठन में शामिल करवाकर जैन धर्म के खिलाफ दुष्प्रचार को निरंतर बढ़ावा दे रहे हैं । उनका कहना है कि जैन लोग, जैन साधु और जैनों के भगवान काला जादू करके देश में अकाल लाते हैं, बाढ़ लाते हैं, बीमारी फैलाते हैं, स्वाइन फ्लू, एड्स, मलेरिया, लकवा, टाइफाइड आदि की उत्पत्ति जैनों ने की है । और तो हद कर दी कि अब उनका दावा है कि कोरोना विषाणु जैसी वैश्विक महामारी भी जैनों द्वारा लाई गई है और फैलाई गई है ।

अनूप मंडल के सदस्य का कहना है कि जैन समाज अपनी राक्षसी गतिविधियों को बरमूडा ट्राएंगल के १००० फुट नीचे से संचालित करता है, ऐसे बेबुनियादी दावे करते हैं । बिना प्रमाण एक अल्पसंख्यक अहिंसावादी जैन समाज को बदनाम करने की साजिश बरसों से रची जा रही है । अनूप मंडल का इतिहास व साहित्य पढ़ने से पता चलता है कि यह लोग जैनों की संपन्नता एवं धार्मिक प्रभाव से ईर्ष्या करते हैं ।

सोशल मीडिया के माध्यम से पता चला है कि अनूप मंडल ने कई स्थानों पर जैनों के खिलाफ हिंसा भड़काने में मुख्य भूमिका निभाई है । गत कई सालों में राजस्थान राज्य में इस संघठन के विरुध्द अनेक कानूनी मामले दर्ज हो चुके हैं, उच्चतम हाई कोर्ट के आदेश भी हुए हैं पर आज तक इस संघठन के विरुध्द कोई ठोस कानूनी कार्यवाही न होने से खुलेआम संघठन का विस्तार देश के अन्य राज्यों में फैल रहा है । जैसा कि सभी जानते हैं कि जैन संत, मुनिगण व साध्वियाँ सदैव पैदल चलते, विहार करते, विचरण करते हैं और गत् कुछ वर्षों में गुजरात, राजस्थान व महाराष्ट्र आदि राज्यों में हुई सड़क दुर्घटनाओं में ५०० से भी अधिक जैन साधु-साध्वियों का देवलोकगमन हुआ है, इन दुर्घटनाओं में अनूप मंडल का हाथ होने की आशंका जताई गई है, इसकी जाँच करवाई जाए ताकि सच्चाई दुनिया के सामने लाई जा सके ।

कौन से असामाजिक तत्त्व अनूप मंडल को संचालित करते है, कौन इनकी समाज विरोधी गतिविधियों को चलाने के लिए इनको धन/राशि उपलब्ध करवाता है और कौन इनको राजनीतिक संरक्षण देता है ? इसकी तत्काल भारत सरकार को सीबीआई द्वारा जाँच करवानी चाहिए ।

अत: आपसे सविनय निवेदन है कि...

१. सीबीआई द्वारा अनूप मंडल की जाँच और जैन समाज के विरुध्द भ्रामक प्रचार करने और सांप्रदायिक सौहार्द बिगाड़ने के लिए अनूप मंडल के सदस्य, साथियों को गिरफ्तार कर कठोर कानूनी कार्यवाही की जाए ।

२. अनूप मंडल द्वारा संचालित वेबसाइटों, सोशल मीडिया खातों (ट्विटर, फेसबुक, व्हॉटस्अप, यू ट्युब) आदि को प्रतिबंधित किया जाए ।

३. अनूप मंडल पर संपूर्ण भारत में पूर्ण प्रतिबंध लगाया जाए ।

४. भारत सरकार पदविहारी पूज्य जैन साधु-साध्वियोंजी की सुरक्षा व जीवन रक्षा की व्यवस्था करे, इस संबंध में सभी राज्यों की पुलिस को निर्देश जारी करे।

आपकी जानकारी के लिए भारतीय संस्कृति समन्वय संस्थान, जोधपुर द्वारा प्रकाशित 'अनूप मंडल की आपराधिक कार्यवाही के विरुध्द राज्य सरकार द्वारा जारी अधि सूचनाएँ, न्यायालय के निर्णय आदि का

संकलन' की प्रति संलग्न है । आपके द्वारा त्वरित संज्ञान लेकर कार्यवाही किए जाने की अपेक्षा है यही विनती।

आपके कृपाभिलाषी

पारस मोदी जैन	शशिकांत (पिंटु) कर्नावट जैन
राष्ट्रीय अध्यक्ष	राष्ट्रीय महामंत्री
९८२००६०५३०	९८२३९५५५१५

सुनील चोपड़ा जैन, समन्वयक, ९४२३९६३१००
श्री ऑल इंडिया श्वे. स्था. जैन कॉन्फ्रेंस (नई दिल्ली)

(संलग्न : भारतीय संस्कृति समन्वय संस्थान, जोधपुर द्वारा प्रकाशित 'अनूप मंडल की आपराधिक कार्यवाही के विरुध्द राज्य सरकार द्वारा जारी अधिसूचनाएँ, न्यायालय के निर्णय आदि का संकलन') ●

श्रमण संस्कृति

लेखक : उपाध्याय अमरमुनि

श्रमण-संस्कृति के अमर देवता भगवान महावीर का सन्देश है - 'क्रोध को क्षमा से जीतो, अभिमान को नम्रता से जीतो, माया को सरलता से जीतो और लोभ को सन्तोष से जीतो ।'

जब हमारा प्रेम विद्वेष पर विजय कर सके, हमारा अनुरोध विरोध को जीत सके और साधुता असाधुता को झुका सके, तभी हम धर्म के सच्चे अनुयायी, सच्चे मानव बन सकेंगे ।

श्रमण-संस्कृति की गंभीर वाणी हजारों वर्षों से जन-मन में गूँजती आ रही है कि यह अनमोल मानव-जीवन भौतिक जगत की अँधेरी गलियों में भटकने के लिए नहीं है । भोग-विलास की गन्दी नालियों में कीड़ों की तरह कुलबुलाने के लिए नहीं है ।

मानव तेरे जवीन का लक्ष्य तू है, तेरी मानवता है। वह मानवता, जो हिमालय की बुलंद चोटियों से भी ऊँची तथा महान है । क्या तू इस क्षण-भंगुर संसार की पुत्रैषणा, वित्तैषणा और लोकैषणा की भुली-भटकी, टेढ़ी-मेढ़ी पगडंडियों पर ही चक्कर काटता रहेगा ? नहीं, तू तो उस मंजिल का यात्री है, जहाँ पहुँचने के बाद आगे और चलना शेष ही नहीं रह जाता है ।

''इस जीवन का लक्ष्य नहीं है,
श्रान्ति-भवन में टिके रहना ।
किन्तु पहुँचना उस सीमा तक,
जिसके आगे राह नहीं है ।''

आज सब ओर अपनी-अपनी संस्कृति और सभ्यता की सर्वश्रेष्ठता के जयघोष किए जा रहे हैं । मानव-संसार संस्कृतियों की मधुर कल्पनाओं में एक प्रकार से पागल हो उठा है । विभिन्न संस्कृति एवं सभ्यताओं में परस्पर रस्साकशी हो रही है । परन्तु कौन संस्कृति श्रेष्ठ है, इसके लिए एक प्रश्न ही काफी है, यदि उसका उत्तर ईमानदारी से दे दिया जाय तो । वह प्रश्न है कि क्या आपकी संस्कृति में 'सर्वे भवन्तु सुखिन:' की मूल भावना विकसित हो रही है ? इसी प्रश्न को स्पष्ट करते उप प्रश्न है - क्या व्यक्ति स्वपोषणवृत्ति से विश्व-पोषण की मनोभूमिका पर उतर रहा है, क्या निराशा के अन्धकार में शुभाशा की किरणे जगमगाती आ रही हैं, क्या प्राणिमात्र के भौतिक एवं आध्यात्मिक जीवन के निम्न धरातल को ऊँचा उठाने के लिए कुछ-न-कुछ सत्प्रयत्न हो रहा है ? यदि आपके पास इन प्रश्नों का उत्तर सच्चे हृदय से 'हाँ' में है तो आपकी संस्कृति गौरव प्राप्त करने के योग्य है । जिसके आदर्श विराट एवं महान हों, जो जीवन के हर क्षेत्र में व्यापक एवं उदार दृष्टिकोण का समर्थन करती हो, जिसमें मानवता का ऊर्ध्वमुखी विकास अपनी चरम सीमा को सजीवता के साथ स्पर्श कर सकता हो, वही विश्वजनीन संस्कृति विश्व-संस्कृति के स्वर्ण-सिंहासन पर विराजमान हो सकती है ।

श्रमण-संस्कृति का यह अमर आदर्श है कि जो सुख दूसरों को देने में है, वह लेने में नहीं । जो त्याग में है, वह भोग में नहीं । जो देता है वही देवता है । ●

चक्रवर्ती भगवान भरत ज्ञानस्थली जैन तीर्थ, दिल्ली

भारत गौरव गणिनी प्रमुख श्री ज्ञानमती माताजी इनकी प्रेरणासे जैन निशी टेम्पल, राजा बाजार, कॅनॉट प्लेस, दिल्ली यहाँ पर ३१ फुट उत्तुंग भगवान भरत स्वामी की प्रतिमा ४ अप्रैल २०२१ को विराजमान की गई।

प्रथम तीर्थंकर भगवान ऋषभदेव के प्रथम पुत्र भरत के नाम से इस देश का नाम भारत रखा गया था। यह इतिहास आज हमारे लिए जैन आगम ग्रंथों के पन्नों पर और उसके साथ अनेक वैदिक ग्रंथों के पन्नों पर भी प्रकाशमान मिलता तो है, लेकिन आगम में लिखी इन बातों को प्रत्यक्ष इस धरती पर साकार करने के लिए पूज्य माताजी ने अपने जैन धर्म की इस प्राचीन संस्कृति को आज पूरे विश्व पटल पर साकार कर दिया है। पूरे दिल्ली प्रदेश की सबसे बड़ी विशाल प्रतिमा के रुप में ३१ फुट उत्तुंग भगवान भरत स्वामी की प्रतिमा है और दिल्ली के एक सर्वाधिक महत्वपूर्ण स्थान पर यह प्रतिमा स्थापित है।

जहाँ देश और दुनिया के पर्यटक और श्रध्दालुजन इस मार्ग से हर समय गुजरते है। अत: ऐसे स्थान पर इस बात का उद्योत करने वाली भगवान भरत स्वामी की यह प्रतिमा, आने वाले सैकड़ों-हजारों सालों तक समूचे विश्व को इस बात का संदेश देगी कि जैन धर्म अति प्राचीन धर्म है, युगादि और अनादिकालीन है। इसमें प्रथम तीर्थंकर भगवान ऋषभदेव के प्रथम पुत्र भरत स्वामी के नाम पर इस देश का नाम ''भारत'' जाना जाता है।

भगवान ऋषभदेव के ये पुत्र भरत एक सामान्य व्यक्तित्व नहीं रहे अपितु इन्हें चक्रवर्ती का पद प्राप्त हुआ और अपने चक्ररत्न के साथ ६ खण्ड की पृथ्वी पर विजय प्राप्त करके इन्होंने समूचे खण्डों पर अपना नैतिक शासन चलाया है। ऐसे भरत चक्रवर्ती का सर्वाधिक महत्वपूर्ण पहलू यह है कि छह खण्ड के अधिपति, चक्रवर्ती होकर भी वे जल से भिन्न कमल की तरह सांसारिक विषयों से उपर उठकर अध्यात्म की ओर प्रवृत्त हुए। और इतना ही नहीं भरत चक्रवर्ती एक मात्र जैन आगम के ऐसे उदाहरण हैं, जिन्होंने अपने जीवन में इतना बड़ा वैभव प्राप्त करके भी उसे तृणवत त्याग दिया और जैनेश्वरी दीक्षा धारण करने के मात्र ४८ मिनट के अंदर ही वे केशलोंच करते-करते केवलज्ञानी भी हो गये। और हम जानते हैं केवलज्ञान का अर्थ है अरिहंत अवस्था को प्राप्त हो जाना, जिसके उपरांत सिध्द अवस्था अर्थात् मोक्ष का स्थान मिलना तो निश्चित ही होता है।

ऐसे भरत स्वामी के इस आदर्श उदाहरण को जगव्यापी बनाने के लिए उनकी ३१ फुट विशाल प्रतिमा दिल्ली में स्थापित की गई है और ऐसे भगवान की प्राण प्रतिष्ठा शीघ्र होना संभावित है, जिसमें सान्निध्य प्रदान करने के लिए आमंत्रित हैं सप्तम पट्टाचार्यश्री अनेकांतसागरजी महाराज। साथ ही गणिनीप्रमुख श्री ज्ञानमती माताजी का सान्निध्य तो अवश्य ही इस महोत्सव को देशव्यापी बनाने में कोई कसर नहीं छोड़ेगा।

प्रेषक : डॉ. जीवन प्रकाश जैन, संपादक-सम्यग्ज्ञान ●

कव्हर तपशील - जुलै २०२१

❖ **चक्रवर्ती भरत ज्ञानस्थली जैन तीर्थ – दिल्ली**

भारत गौरव गणिनी प्रमुख श्री ज्ञानमती माताजी यांच्या प्रेरणेतून जैन निशी टेम्पल, राजा बाजार, कॅनॉट पॅलेस, दिल्ली येथे ३१ फुट उंच भगवान भरत स्वामी यांची प्रतिमा ४ एप्रिल २०२१ रोजी स्थापन करण्यात आली. (बातमी पान नं. १९)

❖ **आचार्य डॉ. शिवमुनिजी म.सा. – सुरत**

आचार्य डॉ. शिवमुनिजी म.सा. यांच्या वर्षीतप पारणा १४ मे २०२१ रोजी सुरत येथे संपन्न झाला. २२ मे रोजी वैरागन प्रीति चोपडा हीची दीक्षा संपन्न झाली. (बातमी पान नं. ८३)

❖ **जैन मंदिर सोलापूर बाजार – पुणे**

सोलापूर बाजार, कॅम्प, पुणे येथील श्री शांतीनाथ महाराज जैन टेम्पल ट्रस्टच्या माध्यमातून १८ वर्षापुढील १२०० नागरीकांचे मोफत लसीकरण शिबीर १४ जून २०२१ रोजी घेण्यात आले. यावेळी उद्घाटन प्रसंगी संस्थेचे चेअरमन श्री. पारसमलजी बाठिया, सेक्रेटरी श्री. थानमलजी सोलंकी, ट्रस्टी श्री. महावीरजी बांठिया, श्री. राजूजी बांठिया, प्रकाशजी मेहता, महेंद्रजी केरिंग, धरमचंदजी पोरवाल, प्रकाशजी मुथा, सुनीलजी मुथा, विमलजी पोरवाल, मदनराजजी नहार, महेंद्रजी पोरवाल, विक्रमजी केरिंग इ. मान्यवर.
(बातमी पान नं. ८१)

❖ **स्व. श्री. नौपतलालजी सांकला प्रथम स्मृतिदिन**

पुणे येथील स्व. श्री. नौपतलालजी सांकला यांच्या प्रथम स्मृतिदिना निमित्त सांकला परिवारा तर्फे रक्तदान, अन्नदान व इतर सामाजिक उपक्रम करण्यात आले. ७ जून २०२१ रोजी महावीर प्रतिष्ठान येथे रक्तदान शिबीराचे आयोजन केले होते. यावेळी शिबीराचे उद्घाटन करताना प्रमिलाजी सांकला, राजेशजी सांकला, रविंद्रजी सांकला, सौ. रंजनाजी सांकला, सौ. लतीकाजी सांकला, सौ. हेमाजी गादिया इ. सांकला परिवार, सिध्दी फाउंडेशनचे मनोजजी छाजेड, नरेंद्रजी बलदोटा इ. मान्यवर. (बातमी पान नं. ७५)

❖ **जितो, पुणे**

जितो पुणे तर्फे कोवीडच्या दुसऱ्या लाटेत तीन कोवीड सेंटर उभारण्यात आले. या सेंटरमध्ये अनेकांनी विविध सेवा दिली. त्यांचा सन्मान सोहळा 'जितो' पुणेच्या वतीने आयोजित करण्यात आला. या कार्यक्रमाला महापौर मुरलीधरजी मोहळ यांच्यासह आमदार सिध्दार्थजी शिरोळे, नगरसेवक प्रवीणजी चोरबेले, नगरसेविका ज्योत्स्नाजी एकबोटे, नीलिमाजी खाडे, 'जितो'चे राष्ट्रीय उपाध्यक्ष विजयजी भंडारी, जितो पुणेचे अध्यक्ष श्री. ओमप्रकाशजी रांका, चीफ सेक्रेटरी पंकजजी कर्नावट, सेक्रेटरी चेतनजी भंडारी, विजयंकातजी कोठारी, राजेशजी सांकला, कांतीलालजी ओसवाल, लखीचंदजी खिंवसरा, मनोजजी छाजेड, सुहासजी बोरा, खुशालीजी चोरडिया, लकीशाजी मरलेचा यांची प्रमुख उपस्थिती होती. (बातमी पान नं. ७७)

❖ **नगरसेवक श्री. प्रवीणजी चोरबेले – लसीकरण केंद्र**

नगरसेवक श्री. प्रवीणजी चोरबेले यांच्या प्रयत्नाने स्व. चंचलबाई कांतीलालजी चोरडिया वाहनतळ, सिटीप्राईड सिनेमा हॉल शेजारी, पुणे-सातारा रोड, पुणे-३७ येथे पुणे महानगरपालिका मार्फत नवीन लसीकरण केंद्रांचे उद्घाटन आमदार माधुरीताई मिसाळ, महापौर मुरलीधरजी मोहोळ व मा. आमदार जगदीशजी मुळीक अध्यक्ष भारतीय जनता पार्टी पुणे शहर यांच्या हस्ते पार पडले. उद्घाटन

प्रसंगी विजयजी संघवी, शशिकांतजी कोठारी, बिरेनभाई शाह, महेंद्रजी शाह, संजयजी चोरडिया, अमृतजी नाबरिया, दिलीपजी चोरबेले, अनिलजी भन्साळी इ. मान्यवर उपस्थित होते.
(बातमी पान नं. ७६)

❖ **कोठारी चॅरिटेबल ट्रस्ट, जेजुरी**

महाराष्ट्राची कुलदैवत जेजुरी येथे श्री मार्तंड देवसंस्थान द्वारा संचालित पुण्यश्लोक अहिल्यादेवी डायलेसिस व डायग्नोस्टिक सेंटर सुरु करण्यात आले आहे. या सेंटरचे संचालन कोठारी चॅरिटेबल ट्रस्ट करणार आहे. या सेंटरचे उद्घाटन ११ जून २०२१ रोजी सौ. शकुंतलाजी कोठारी आणि सौ. अरुणाजी बनवट यांच्या द्वारे करण्यात आले. यावेळी सोबत कोठारी चॅरिटेबल ट्रस्टचे संस्थापक श्री. प्रफुल्लजी कोठारी, श्री. मितेशजी कोठारी, डॉ. राजकुमार लोढा, श्री. नेमीचंदजी सोळंकी इ. मान्यवर. (बातमी पान नं. ५९)

❖ **श्री. अशोकजी चोरडिया – सोलिटेयर ग्रुप**

पुणे येथील सोलिटेयर ग्रुप व अर्जुन चॅरिटेबल ट्रस्टचे चेअरमन श्री. अशोकजी धनराजजी चोरडिया यांच्या तर्फे पानशेत परिसरातील विविध खेडेगावात गरीब व गरजू परिवारांना १२ किलो धान्याचे २०० कीटचे वाटप श्री. अशोकजी चोरडिया यांच्या हस्ते करण्यात आले. (बातमी पान नं. ८४)

❖ **प्रा. डॉ. संजय चोरडिया, सुर्यदत्ता इन्स्टिट्युट**

पुणे : सूर्यदत्ता ग्रुप ऑफ इन्स्टिट्यूटचे संस्थापक अध्यक्ष प्रा. डॉ. संजय चोरडिया यांना वैश्विक स्तरावरील सर्वात मोठी सेवा संस्था असलेल्या लायन्स क्लब इंटरनॅशनल तर्फे मानद सदस्यत्व बहाल करण्यात आले. 'लायन्स क्लब'चे माजी प्रांतपाल डॉ. चंद्रहास शेट्टी यांनी प्रा. डॉ. चोरडिया यांना सभासदत्वाचे मानपत्र प्रदान केले. या प्रसंगी संगणक तज्ज्ञ व रोटरी क्लब इंटरनॅशनलचे माजी प्रांतपाल डॉ. दीपक शिकारपूर, 'सूर्यदत्ता'च्या उपाध्यक्षा व सचिव सुषमा चोरडिया आदी उपस्थित होते. (बातमी पान नं. ८०)

❖ **कॅट, पुणे – पर्यावरण दिन साजरा**

कॉन्फेडरेशन ऑफ इंडिया ट्रेडर्स (कॅट) दि. ५ जून २०२१ रोजी जागतिक पर्यावरण दिनानिमित्त पुणे कॅटच्या माध्यमातून पुणे शहरात एक लाख वृक्षरोपण करण्याचा निश्चय करण्यात आला आहे. कॅटच्या ''वृक्षारोपण, वृक्षदान आणि संकल्प पत्र संकलन'' कार्यक्रमाचा शुभारंभ पुणे महानगर पालिकेच्या माननीय स्थायी समिती सदस्या माननीय श्रीमती मानसीताई मनोज देशपांडे यांच्या हस्ते करण्यात आला. यावेळी जितोचे राष्ट्रीय व्हाईस चेअरमन माननीय श्री. विजयजी भंडारी हे प्रमुख अतिथी म्हणून उपस्थित होते.

पुणे कृषी उत्पन्न बाजार समितीचे उपसचिव माननीय श्री. सतीशजी कोंडे, कॅट महाराष्ट्र कार्यकारी चेअरमन श्री. राजेंद्रजी बाठिया, श्री. अजितजी सेठिया, श्री. रायकुमार नहार, श्री. श्यामजी कर्णावट, श्री. उत्तमजी बाठिया, श्री. मोहनजी साखरीया, गणपतजी जैन अनेक मान्यवर व्यापारी उपस्थित होते. (बातमी पान नं. ७८)

❖ **ए. एच. पोखरणा ज्वेलर्स – अहमदनगर**

अहमदनगर येथील प्रसिध्द ए. एच. पोखरणा ज्वेलर्स यांनी सर्जेपूरा येथील भव्य दालनाचे उद्घाटन श्री. ओमप्रकाशजी रांका, माजी मंत्री शिवाजीराव कर्डिले, आ. संग्रामजी जगताप, सुहासजी बोरा, हिरालालजी पोखरणा, सोनीबाई पोखरणा यांच्या शुभहस्ते झाला. यावेळी गिरीशजी मेहेर, संचालक अनिलजी पोखरणा, अमितजी पोखरणा, आकाशजी पोखरणा आदी उपस्थित होते.
(बातमी पान नं. ७३) ●